स्तन कैंसर

हार्मोन थैरेपी

पूनम (परिवर्तित नाम) एक 45 वर्षीय महिला है जिसने अपने बाएँ स्तन के कैंसर के लिए मैस्टेक्टॉमी कराई थी और उसके बाद उसने अपना कीमोथेरेपी उपचार पूरा किया। अब उसे अपने विशेषज्ञ द्वारा हार्मोन थेरेपी कराने की सलाह दी गई है।

स्तन कैंसर में हार्मोन रिसेप्टर परीक्षणों का क्या महत्व है?

हार्मोन इस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन कुछ प्रकार के स्तन कैंसरों को बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। स्तन कैंसर की कोशिकाएँ इन हार्मोनों के प्रति संवेदनशील हैं या नहीं इसका पता लगाने के लिए सर्जरी के बाद नियमित रूप से इनका परीक्षण कराया जाना चाहिए। इस परीक्षण को हार्मोन रिसेप्टर परीक्षण कहा जाता है।

पॉजिटिव हार्मोन रिसेप्टर परीक्षण का अर्थ है कि स्तन कैंसर या तो ओस्ट्रोजेन (ओस्ट्रोजेन रिसेप्टर पॉजिटिव या) या फिर प्रोजेस्टेरोन (प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर पॉजिटिव या) या दोनों के प्रति संवेदनशील है, यह हार्मोन थेरेपी को प्रतिक्रिया दे सकता है।

नेगेटिव हार्मोन रिसेप्टर परीक्षण जहाँ कैंसर इस्ट्रोजेन रिसेप्टर नेगेटिव (ER-ve)और प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर नेगेटिव (PR-ve)है का अर्थ है कि स्तन कैंसर की हार्मोन थेरेपी के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया देने की संभावना नहीं है इसलिए हार्मोनल दवाओं का सेवन करने से कोई लाभ नहीं होगा।

हार्मोन थेरेपी क्या है?

चूंकि हार्मोन ओस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन कुछ प्रकार के स्तन कैंसरों को बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, इसलिए स्तन कैंसर की कोशिकाएँ इन हार्मोनों के प्रति संवेदनशील हैं या नहीं इसका पता लगाने के लिए सर्जरी के बाद नियमित रूप से परीक्षण कराया जाता है। इसे हार्मोन रिसेप्टर परीक्षण कहा जाता है। यदि परिनाम पॉजिटिव आते हैं, तो इसकाअ अर्थ है कि हार्मोन थेरेपी उचित होगी और रोगी के लिए लाभदायक होगी।

हार्मोन थेरेपी को एंडोक्राइन थेरेपी भी कहा जाता है, यह पूरे शरीर का उपचार करती है और हार्मोन ओस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन को स्तन कैंसर की कोशिकाओं का विकास करने के लिए प्रेरित करने से रोकती है।

हार्मोन थेरेपी का उपयोग क्यों किया जाता है?

यदि रोगी को हार्मोन संवेदनशील स्तन कैंसर है, तो उसका उपचार हार्मोन थेरेपी द्वारा किया जाता है, ताकि स्तन कैंसर के लौट आने के जोखिम को कम किया जा सके।

हार्मोन थेरेपी का उपयोग कब किया जाता है?

आमतौर पर सर्जरी के बाद हार्मोन थेरेपी प्रारंभ की जाती है, लेकिन यदि उपचार में कीमोथेरेपी भी की जानी है, तो कीमोथेरेपी के पूर्ण हो जाने के बाद इसे प्रारंभ किया जाता है। कुछ लोगों को सर्जरी से पहले हार्मोन थेरेपी दी जाती है ताकि बड़े ट्यूमर को छोटा किया जा सके। इसे निओ एड्जूवैंट ट्रीटमेंट कहते हैं।

कीमोथेरेपी के साथ हार्मोन थेरेपी क्यों नहीं दी जाती है?

इस बात के प्रमाण हैं कि यदि कीमोथेरेपी और हार्मोन थेरेपी एक साथ की जाए जो, तो कीमोथेरेपी का प्रभाव और असर क्षीण हो सकता है। इसलिए कीमोथेरेपी के पूर्ण हो जाने पर ही हार्मोन थेरेपी दी जाती है।

हार्मोन थेरेपी में किन दवाओं का उपयोग किया जाता है?

विभिन्न प्रकार की हार्मोन थेरेपी दवाएँ उपलब्ध हैं और विशेषज्ञ व्यक्ति के लिए सबसे उपयुक्त दवाई पर विचार करेगा। सामान्यतः इन्हें कुछ वर्षों तक दिया जाता है ताकि स्तन कैंसर के वापस लौटने की संभावनाओं की रोकथाम की जा सके। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली दवाएँ हैं टैमोक्सीफेन, जोलाडेक्स, एनेस्ट्राजोल, लेट्रोजोल और एक्सीमेस्टेन। रोगी के साथ परामर्श कर विशेषज्ञ द्वारा उचित दवा का निर्णय लिया जाता है।

हार्मोन थेरेपी के दुष्प्रभाव क्या हैं?

सामान्य दुष्प्रभाव में अचानक त्वचा का गर्म होना रात में पसीना आना और मिजाज में बार-बार परिवर्तन होना शामिल है। कुछ लोगों के वजन में वृद्धि हो जाती है और जोड़ों में दर्द होता है। यदि दुष्प्रभाव गंभीर हैं, तो विशेषज्ञ हार्मोन थेरेपी में दी जाने वाली दवा के बदले किसी दूसरी दवा देने पर विचार कर सकता है।